Certificate Course on Digital Agriculture Management launched by ICFAI University – March 04, 2021

सन्मार्ग

रांची, शनिवार, 6 मार्च 2021 | 04

इक्फाई विवि ने शुरू किया डिजिटल एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कोर्स

रांची : एग्रीकल्चर-बिजनेस वर्किंग प्रोफेशनल्स को डिजिटल स्किल्स का कौशल देने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने शुक्रवार को डिजिटल एग्रीकल्चर मैनेजमेंट पर 8 सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया। कार्यक्रम की ट्रेनिंग मिश्रित मोड में होगी। जिसमें रविवार को डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और ऑनलाइन क्लास शामिल है। आवेदन की अंतिम तिथि 12 मार्च है। कक्षाएं 14 मार्च से आरंभ होगी। नये कार्यक्रम पर प्रेस को जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, कृषि की उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि प्रबंधन का डिजिटल परिवर्तन जरूरी है। इन क्षेत्रों के सभी कर्मचारियों को प्रासंगिक डिजिटल कौशल के साथ खुद को फिर से तैयार करना है, ताकि वे पेशेवर रूप से विकसित हो सकें। इस कोर्स का लाभ कृषि मूल्य शृंखला में काम करने वाले कर्मचारी, ग्रामीण ऋण प्रदाता, कृषि इनपुट कंपनियां, खाद्य प्रसंस्करण संगठन, कृषि उत्पादों के थोक और खुदरा विक्रेता, सरकार और कृषि छात्रों और संकाय सदस्यों के नीति निर्माताओं और कार्यक्रम से जुड़े लोगों को मिल पायेगा। प्रो राव ने कहा कि कार्यरत पेशेवरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, रविवार को कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जायेगी। कार्यक्रम में रुचि रखने वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ई-मेल या दूरभाष नंबर 077177-52967 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रभात खबर

रांची, शुक्रवार
05.03.2021

डिजिटल एग्रीकल्चर मैनेजमेंट पर कोर्स

रांची. इक्फाइ विवि में डिजिटल एग्रीकल्चर मैनेजमेंट पर आठ सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया है. ट्रेनिंग मिश्रित मोड में होगी. रविवार को डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और ऑनलाइन क्लासेस (दो घंटे) का उपयोग करके अध्ययन सामग्री का स्व अध्ययन शामिल है. इसमें नामांकन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 मार्च है. क्लास 14 मार्च से शुरू होगी. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा है कि कृषि की उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि प्रबंधन का डिजिटल परिवर्तन आवश्यक है. कर्मचारियों को कौशल के साथ तैयार करना है, ताकि वे पेशेवर रूप से विकसित हो सकें.